विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी

राजस्थान प्रान्त

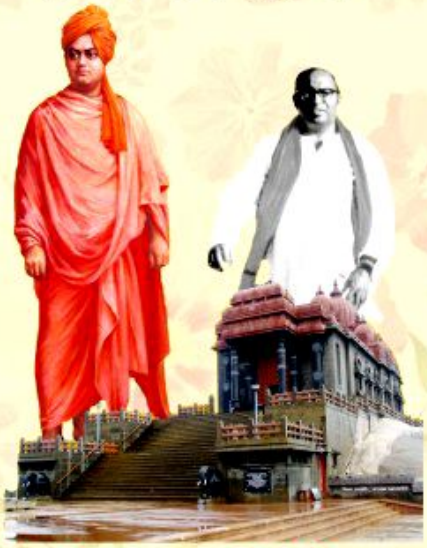

वार्षिक प्रतिवेदन

2019 - 2020

विभाग – 4 : अजमेर, भीलवाड़ा, जयपुर, जोधपुर

नगरस्थान – 7 : अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, गुलाबपुरा, जयपुर, फुलेरा, जोधपुर

कार्यस्थान – 4 : किशनगढ़, कोटा, उदयपुर, बीकानेर

प्रकल्प – 3 : **प्रकल्प स्थान–7**

हिन्दी प्रकाशन विभाग – जोधपुर

आनन्दालय – भीलवाड़ा (1), कोटा (3), अजमेर (1)

सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र (1)

दम्पत्ति सम्मेलन
भीलवाड़ा

चलो गाँव की ओर-सहभागी
गुलाबपुरा

विवेकानन्द शिला स्मारक तथा विवेकानन्द केन्द्र

''भारत के अंतिम छोर पर स्थित शिला पर बैठकर - मेरे मन में एक योजना का उदय हुआ, मान लें कि कुछ नि:स्वार्थ संन्यासी, जो दूसरों के लिए कुछ अच्छा करने की इच्छा रखते हैं, गाँव-गाँव जाएँ, शिक्षा का प्रसार करें और सभी की - अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति की भी - दशा को सुधारने के लिए विविध उपाय खोजें तो क्या अच्छा समय नहीं लाया जा सकेगा? एक राष्ट्र के रूप में हम अपना स्वत्व खो चुके हैं, और यही भारत में व्याप्त सारी बुराइयों की जड़ है। हमें भारत को उसका खोया हुआ स्वत्व लौटाना होगा और जनसामान्य को ऊपर उठाना होगा।''

- स्वामी विवेकानन्द

दिसंबर 1892 (स्वामी रामकृष्णानंद को 19 मार्च 1893 में लिखित पत्र से)

इसी पवित्र स्थान पर भारत के लगभग 35 लाख लोगों की सहभागिता से माननीय एकनाथजी रानडे ने विवेकानन्द शिला स्मारक का निर्माण किया। माननीय एकनाथ जी ने सोचा मात्र पत्थर का स्मारक स्वामी विवेकानन्द के स्वप्नपूर्ति के लिए पर्याप्त नहीं होगा। स्मारक को देखने के पश्चात लोगों के मन में देश के प्रति सेवा का जो भाव जागेगा उस भाव को मूर्त रूप देने के लिए एक संगठन का निर्माण होना आवश्यक है। इसलिए माननीय एकनाथजी ने विवेकानन्द केन्द्र -''एक अध्यात्म प्रेरित सेवा संगठन'' की स्थापना की। 1972 से विवेकानन्द केन्द्र समूचे भारतवर्ष में विभिन्न सेवा प्रकल्प तथा कार्य पद्धति के माध्यम से कार्य कर रहा है। आज पूरे राष्ट्र में 27 राज्यों तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेशों में 245 शाखा केन्द्र 43 प्रकल्पों द्वारा विवेकानन्द केन्द्र 1005 जगह पर कार्यरत है। ''मनुष्य निर्माण - राष्ट्र पुनरुत्थान'' के कार्य में अनेक जीवनव्रती कार्यकर्ता, स्थानिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर विभिन्न गतिविधियों का संचालन करते हैं। जिसमें योग, शिक्षा, ग्राम विकास, प्राकृतिक संसाधनों का विकास, सांस्कृतिक जागरण, युवा प्रेरणा प्रतियोगिताएँ, संस्कार वर्ग, स्वाध्याय वर्ग, प्रकाशन आदि गतिविधियों का समावेश है।

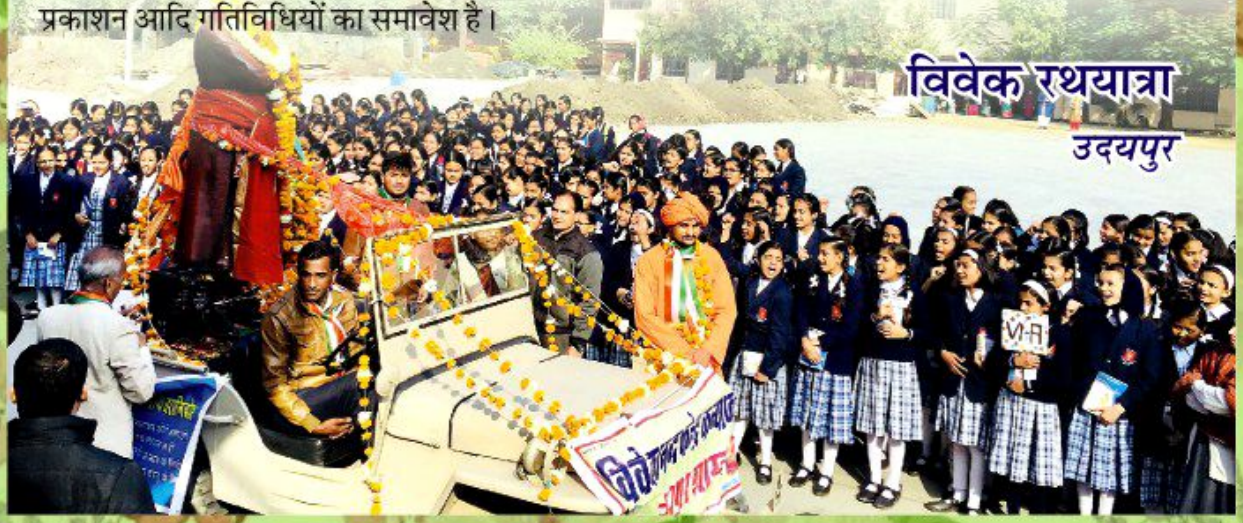

विवेक रथयात्रा
उदयपुर

विवेकानन्द केन्द्र के राजस्थान प्रांत का 2019-20 का प्रतिवेदन आपके समक्ष रखते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। विवेकानन्द केन्द्र प्रति वर्ष 5 उत्सवों के माध्यम से नए लोगों तक पहुंचने का प्रयास करता है वर्ष राजस्थान प्रांत में आयोजित किए गए उत्सवों का विवरण निम्नानुसार है।

उत्सव

प्रांत में 11 स्थानों पर गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन हुआ जिसमें 883 लोगों का सहभाग रहा। इस वर्ष भीलवाड़ा शाखा द्वारा समाज में निस्वार्थ भाव से सेवा देने वाले 15 सेवा व्रतियों का सम्मान किया गया। 17 स्थानों पर आयोजित विश्व बंधुत्व दिवस के कार्यक्रम में 4495 लोगों ने भाग लिया। अजमेर शाखा ने विशेष कार्यक्रम का आयोजन करते हुए केरल के राज्यपाल माननीय श्री आरिफ मोहम्मद खान जी को मुख्यवक्ता के रूप में आमंत्रित किया था।

माननीय एकनाथजी की जयंती साधना दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस उपलक्ष्य में 11 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में 283 कार्यकर्ताओं ने दायित्व ग्रहण किया। 14 स्थानों पर आयोजित गीता जयंती कार्यक्रम में 1039 लोगों ने भाग लिया। इस वर्ष समर्थ भारत पर्व स्वामी विवेकानन्द जयंती विशेष उल्लास से मनाई गई। संपूर्ण प्रदेश में 105 स्थानों पर उत्सव का आयोजन हुआ जिसमें 17864 लोगों ने भाग लिया। इस उत्सव में रंगोली, भारत माता पूजन, सेल्फी विद स्वामी जी, भाषण प्रतियोगिता, साहित्य संगम एवं जनसंपर्क जैसे कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

स्वाध्याय प्रतियोगिता

स्वामी विवेकानन्द के विचार युवाओं तथा छात्रों तक पहुंचाने का माध्यम है स्वाध्याय प्रतियोगिता। इस वर्ष स्वाध्याय प्रतियोगिता के द्वारा विवेकानन्द शिला स्मारक की कहानी से छात्रों का परिचय कराया गया। 'विवेकानन्द शिला स्मारक- एक विजय गाथा' इस प्रेरक पुस्तक पर आधारित प्रतियोगिता में 67 महाविद्यालयों के 2204 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 1624 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी तथा 28 कार्यशालाओं में 890 युवाओं ने भाग लिया। ऐसी ही प्रतियोगिता 8 विद्यालयों के 263 छात्रों के लिए भी आयोजित की गई 5 कार्यशालाओं में 167 छात्रों ने भाग लिया ।

कार्यशाला

विवेकानन्द केन्द्र प्रतिवर्ष समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है जैसे महिलाओं के लिए रामायण दर्शम्, किशोरी विकास कार्यशाला, छात्रों के लिए व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, युवा प्रेरणा कार्यशाला, वन भ्रमण, परिवार मिलन जैसे 46 कार्यशालाओं का इस वर्ष आयोजन हुआ जिसमें 2943 सहभागी रहे।

योग सत्र तथा योग वर्ग शिक्षक प्रशिक्षण

योग विवेकानंद केंद्र का प्राण स्वर है। प्रतिवर्ष योग जीवन पद्धति को स्थापित करने के लिए केंद्र विभिन्न योग सत्रों का आयोजन करता है। इस वर्ष भी 20 स्थानों पर योग सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें 489 शिक्षार्थी सहभागी हुए। अजमेर शाखा द्वारा अपने चारों विस्तारों में योग वर्गों की स्थापना के उद्देश्य से नवंबर माह में योगवर्ग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सहभागी 22 शिक्षकों ने योग का व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रान्त में तीन 'परीक्षा दें हँसते हँसते' कार्यशालाओं का आयोजन हुआ जिसका लाभ 98 विद्यार्थिओं ने उठाया ।

विमर्श - वैचारिक आंदोलन

स्वामी विवेकानंद के विचार समाज के हर स्तर तक पहुंचें, उस पर चर्चा एवं विमर्श हो, इस दृष्टि से केंद्र विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विमर्श के कार्यक्रम का आयोजन करता है। इस वर्ष जयपुर तथा जोधपुर शाखा ने विमर्श का आयोजन किया। दिनांक 15 दिसंबर 2019 को जयपुर में 'कृष्ण- दी स्ट्रेटेजिस्ट' विषय पर आयोजित विमर्श कार्यक्रम में विवेकानन्द केन्द्र की अखिल भारतीय उपाध्यक्षा पद्मश्री से सम्मानित माननीय निवेदिता दीदी मुख्य वक्ता रहीं। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में 680 सहभागी उपस्थित हुए। इसी प्रकार 22 दिसंबर 2019 को जोधपुर में आयोजित विमर्श कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर पीठ के न्यायाधीश माननीय श्री पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने 'सामाजिक विकृतियां - कानून एवं अध्यात्म' विषय पर 200 प्रबुद्ध नागरिकों का मार्गदर्शन किया। जोधपुर में आयोजित एक अन्य विमर्श कार्यक्रम में ISRO के भूतपूर्व उपनिदेशक प्रो. ओम प्रकाश नारायण कल्ला ने 'विज्ञान एवं अध्यात्म' विषय पर उपस्थित 150 जिज्ञासुओं को मार्गदर्शन दिया।

विमर्श-पुस्तक विमोचन

जोधपुर

विवेकानन्द शिलास्मारक : एक भारत विजयी भारत

सन् 1963 में जब समूचा देश स्वामी विवेकानन्द की जन्मशताब्दी मना रहा था, तभी वह स्थान जहाँ पर स्वामीजी को अपने जीवन-ध्येय का साक्षात्कार हुआ उस कन्याकुमारी की शिला पर उनका एक स्मारक बनाने का विचार हुआ। कुछ स्थानिक लोगों के विरोध के कारण राज्य तथा केन्द्र स्तरीय कुछ नेताओं ने भी इसका विरोध किया और इस कठिन दौर में यह कार्य मा. एकनाथजी रानडे को सौंपा गया। मा. एकनाथजी ने मार्ग में आई प्रत्येक बाधा को अपनी व्यवहार कुशलता तथा विनम्रता से दूर किया। प्रारम्भिक छोटे स्वरुप के इस स्मारक ने एक बृहदाकार रूप धारण किया। इस स्मारक की निर्मिती हेतु मा. एकनाथजी ने पूरे भारत से निधि संकलन किया, केन्द्र सरकार ने 15 लाख, प्रत्येक राज्य सरकार ने 1 लाख के अनुदान के साथ ही भारत के लगभग 35 लाख लोगों ने 1-1 रुपये के कूपन तथा अन्य दान के माध्यम से ₹85,00,000/- जमा किये और इस स्मारक को वास्तविक रूप से राष्ट्रीय स्मारक बनाया। मा. एकनाथजी ने पर्वतप्राय बाधाओं पर विजय प्राप्त कर इस कार्य को पूर्ण किया इसलिए यह एक विजय गाथा भी है। विवेकानन्द केन्द्र के वर्तमान अध्यक्ष मा. परमेश्वरन् जी के शब्दों में कहें तो, उन्होंने (मा. एकनाथजी ने) प्रत्येक बाधा को अवसर के रूप में और प्रत्येक चुनौती को विजय के रूप में परिवर्तित कर दिया। 2 सितम्बर 1970 को यह स्मारक राष्ट्र को समर्पित हुआ। 2 सितबर 2019 से विवेकानन्द केन्द्र ने अखिल भारतीय स्तर पर महासम्पर्क कार्य योजना हाथ में ली है। 2 सितम्बर 2019 को माननीय राष्ट्रपति श्री. रामनाथ कोविंद के साथ संपर्क करते हुए इस योजना का शुभारम्भ हुआ। उसके साथ ही अनेक महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ संपर्क किया जा रहा है तथा उन्हें शिलास्मारक की प्रेरक कथा से अवगत कराया जा रहा है। राजस्थान प्रान्त में पुष्कर के ब्रह्माजी मंदिर से इस अभिनव योजना का प्रारंभ हुआ।

इसके उपरांत अजमेर दरगाह दीवान श्री जेनुअल आबेदीन तथा अखिल भारतीय निम्बार्क पीठाधीश्वर निम्बार्काचार्य श्री जी महाराज से भी संपर्क किया गया। उसके पश्चात् प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री. कलराज मिश्र के साथ संपर्क हुआ। मा. कलराज जी का भी शिलास्मारक के निर्माण कार्य में योगदान रहा है, संपर्क के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को अपने संस्मरण भी सुनाए। अनेक महत्वपूर्ण लोगों से विभिन्न शहरों में संपर्क चल रहा है। जनवरी माह तक राजस्थान प्रान्त में कुल 3542 लोगों को संपर्क किया गया है। समाज की सारी सकारात्मक शक्तियों को एकत्रित लाकर ही स्वामी विवेकानन्द का 'विश्वगुरु भारत' का स्वप्न साकार होगा। विवेकानन्द केन्द्र इसी हेतु कटिबद्ध है। विवेकानन्द केन्द्र जैसे अध्यात्म प्रेरित सेवा संगठन के साथ जुड़ने का यह एक सुअवसर है । आइए, हम सब भी इस विजय अभियान में अपना योगदान दें तथा राष्ट्र पुनरुत्थान के इस कार्य को आगे बढ़ाएँ । आप के सहयोग तथा सहकार्य की अपेक्षा के साथ।

राजस्थान प्रान्त समिति, विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी

विश्व बन्धुत्व दिवस
कोटा

कार्यपद्धति- लोक मन संस्कार करना यह परमगति साधना है ....

केन्द्र जन-जन तक पहुचे और इस कार्य से लोग जुड़ें इसलिए कार्यपद्धति की भूमिका महत्वपूर्ण है। राजस्थान प्रान्त में 31 संस्कार वर्ग नियमित चल रहे हैं, जिसमें 843 छात्र सहभागी होते है, 10 स्थानों पर स्वाध्याय वर्ग में 123 युवा, 14 योग वर्गों में 149 तथा 16 केन्द्र वर्गों में 207 कार्यकर्ता सहभागी होते हैं।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर

कार्य के विस्तार एवं दृढ़ीकरण का आधार है प्रशिक्षित समर्पित कार्यकर्ता। प्रतिवर्ष केन्द्र त्रि-स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करता है। सन् 2019 -20 में 2 संस्कार वर्ग प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें 201 संस्कार वर्ग के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। 281 कार्यकर्ताओं हेतु 4 स्थानिक कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए। 29 कार्यकर्ताओं ने भीलवाड़ा में हुए प्रांतीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया। 10 कार्यकर्ता राष्ट्रीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में चयनित हुए। 2 दिवसीय योजक शिविर में 12 नगरप्रमुख तथा प्रान्त समिति सदस्यों ने सहभाग लिया। पुष्कर में आयोजित 2 दिवसीय संपर्क प्रशिक्षण में 63 कार्यकर्ता सहभागी हुए।

चलो गाँव की ओर

भारत को समझना है तो ग्रामीण क्षेत्र की ओर जाना होगा इसलिए केन्द्र 'चलो गाँव की ओर' सेवा सप्ताह का आयोजन करता है। इस वर्ष कुल 35 युवाओं ने ग्रामीण भारत की आत्मियता का दर्शन किया। 25 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक दिन केन्द्र के ग्राम स्थानों में जाकर रहना, संस्कार वर्ग तथा योग वर्गों का आयोजन करना, 'एक भारत - विजयी भारत' संपर्क योजना के अंतर्गत संपर्क कार्य आदि कार्य, इन 7 दिनों में हुए। इस वर्ष इन युवाओं ने कुल 13 ग्रामों में कार्य किया, 13 संस्कार वर्ग शुरू किये, जिनमें 515 छात्रों नें भाग लिया। एक स्थान पर योग सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें 30 साधकों नें भाग लिया। 2 संस्कार वर्ग कार्यशालाओं में 75 छात्र सहभागी हुए। 350 घरों तक शिलास्मारक की कहानी भी इन युवाओं ने पहुंचाई।

किशोरी विकास कार्यशाला
ब्यावर

विवेकानन्द जयन्ती
किशनगढ़

आनंदालय उद्घाटन
अजमेर

परिपोषक, सदस्यता तथा साहित्य सेवा

इस वर्ष 105 नए परिपोषक, 102 पत्रिका सदस्य तथा 87 अरुणाचल बंधु केन्द्र कार्य से जुड़े। इस वर्ष प्रान्त की साहित्य सेवा चमू ने कुल ₹14,06,504/- का साहित्य विक्रय किया।

प्रकल्प

जोधपुर में स्थित हिंदी प्रकाशन विभाग ने इस वर्ष 12 नई पुस्तकों का प्रकाशन किया, जिसमें श्री शैलेन्द्रनाथ धर द्वारा लिखित 'Comprehensive Biography of Swami Vivekananda' का अनुवाद 'स्वामी विवेकानन्द समग्र जीवन दर्शन, देशभक्तों की जीवनियों पर आधारित सप्त पुष्प, स्व. मेस दीदी द्वारा लिखित पत्रों पर आधारित 'व्रत की अवधारणा', विवेकानन्द शिलास्मारक- एक विजयगाथा तथा विवेकानन्द शिलास्मारक शाश्वत प्रेरणास्त्रोत, विवेकानन्द शिलास्मारक - एक भारत विजयी भारत का समावेश है। इस वर्ष 3060 नए सदस्य केन्द्र भारती पत्रिका से इस वर्ष जुड़े। इस वर्ष कोटा तथा अजमेर शाखाओं ने भी आनंदालय प्रारंभ किये। इस प्रकार वर्तमान में प्रान्त में, भीलवाडा में 1, कोटा में 3 तथा अजमेंर में 1 ऐसे 5 आनंदालय चल रहे है।

हमारी चमू

राजस्थान प्रान्त में कुल 311 दायित्ववान कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर कार्यरत हैं। 3 कार्यकर्ताओं ने अल्पकालीन सेवाव्रती के रूप में अपना समय दिया, 2 सेवाव्रती कार्यकर्ता तथा 5 निवासी कार्यकर्ता केन्द्र से जुड़े इन सबके साथ ही हजारों शुभचिन्तक तथा दानदाता इस कार्य से निरन्तर जुड़े हुए हैं तथा अपना समय, धन एवं उर्जा समर्पित कर इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं।

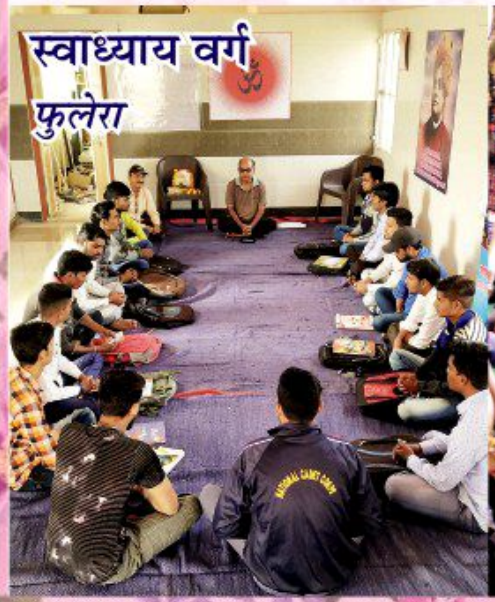

स्वाध्याय वर्ग
फुलेरा

किशोरी विकास कार्यशाला
ब्यावर

विभाग संपर्क सूत्र

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी

शाखा – जोधपुर

'योगक्षेम', गीता भवन, 5 वीं रोड, सरदारपुरा,

जोधपुर (दूरध्वनी – 0291 – 2612666)

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी

शाखा – जयपुर

शंकर गुर्जर की गली, शिमला होटल के पीछे,

हवामहल रोड, चाँदी की टकसाल,

जयपुर (दूरध्वनी – 0141 – 2609799)

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी

शाखा – अजमेर

'एकाक्षरम्' 26, नई बस्ती, भजनगंज,

शिव मंदिर के पास,

अजमेर (दूरध्वनी – 0145 – 2666042)

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी

शाखा – भीलवाड़ा

'एकनाथ निलयम', मिर्ची मंडी के पास,

भीलवाड़ा (दूरध्वनी – 9001712799)